इंडिया नीड्स ए न्यू स्टोरी

लेखक - संजय बारू (प्रतिष्ठित सदस्य, रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

15 नवंबर, 2019

"पाकिस्तान के साथ मतभेद, वृद्धि दर का धीमा होना, आरसीईपी से पीछे हटाना और ट्रम्पवाद के कारण राइज़िंग इंडिया की कहानी धुंधली हो गई है।"

पिछली तिमाही में तीन घटनाक्रमों ने 'राइज़िंग इंडिया' की कहानी को परिभाषित किया है। इनमें से पहला है, भारत का आर्थिक उत्थान; दूसरा, इस उत्थान के परिणामस्वरूप भारत का वैश्वीकरण और एकीकरण 'राइजिंग एशिया' में हुआ; और तीसरा एक बढ़ती हुई मान्यता कि भारत अपने पड़ोसियों से सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के ऐतिहासिक पहचान से खुद को मुक्त कर रहा है। हाल के दिनों की घटनाओं ने इन तत्त्वों में से प्रत्येक को धुंधला किया है और अब 'राइजिंग इंडिया' की कहानी पर सवाल उठने लगे हैं।

सदी ने करवट तब ली जब स्वतंत्र भारत के बारे में एक नई कहानी ने विश्व स्तर पर खुद को स्थापित करना शुरू कर दिया। 1991-92 में भारत न केवल एक गंभीर आर्थिक संकट से बाहर आया था, बल्कि शीतयुद्ध के बाद अपने पैरों पर खड़ा होना शुरू कर दिया था और नष्ट होते सोवियत संघ से खुद को दूर करते हुए एक उभरते एशिया के साथ आगे बढ़ रहा था।

प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के प्रमुख आर्थिक और विदेश नीति परिवर्तनों के नेतृत्व ने अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद् की और भारत की वैश्विक प्रोफाइल को उभारा। सरकारी वित्त में सुधार और भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ते विश्वास ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भारत को परमाणु हथियार शक्ति घोषित करने की अनुमति दी। अर्थव्यवस्था की इस नई मजबूती के लिए हमें इन सब के प्रयासों का धन्यवाद करना चाहिए। इसके अलावा, भारत ने 1998 के परमाणु परीक्षणों के जवाब में संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और कई यूरोपीय देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के प्रभाव को अब खत्म कर दिया है।

व्यापार उदारीकरण, औद्योगिक लाइसेंस एवं उन पर नियंत्रण को खत्म करना और राजकोषीय स्थिरीकरण ने वृद्धि को नुकसान पहुँचाने की बजाय विदेशी व्यापार और विनिर्माण आय की हिस्सेदारी में वृद्धि में योगदान दिया है। इससे अर्थव्यवस्था के विकास में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। नई फर्में बनने लगीं और नए उद्योग भी शुरू हुए। वर्षों से ठंडे पड़े कम्प्यूटर विज्ञान के शिक्षण क्षेत्र में किये गए निवेश ने तकनीशियनों की एक सेना बनाई जिसकी आवश्यकता दुनिया को 20वीं सदी से 21वीं सदी में संक्रमण करने के लिए थी। इसे Y2K समस्या कहा जाता था और भारतीय इसे हल करने के लिए तैयार थे। इंटरनेट घरों में प्रवेश कर रहा था और सबीर भाटिया नामक एक भारतीय ने Hotmail-com का आविष्कार किया और दुनिया भर में भारतीय प्रवासियों को फिर से जुड़ने और जुटाने की शक्ति मिली। भारतीय कंपनियाँ न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में बोली लगा रही थीं और संरक्षित अर्थव्यवस्था के नए क्षेत्र खुल रहे थे।

इन सब घटनाक्रमों ने अमेरिकी रणनीतिक विश्लेषक, कोंडोलीज़ा राइस, जो बाद में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश जूनियर की राज्य सचिव बनीं, को 2000 के शुरुआती दिनों में अमेरिकी राजनीति नेतृत्व से आग्रह करने के लिए मजबूर किया कि भारत को पाकिस्तान के पड़ोसी के रूप में न देखे बल्कि चीन के पड़ोसी के रूप में देखे। राइस ने यह भी कहा कि जहाँ एक तरफ चाइना अमेरिका के लिए एक 'रणनीतिक प्रतियोगी' के रूप में उभरेगा, वहीं भारत अमेरिका के लिए एक 'रणनीतिक भागीदार' बन सकता है। हालाँकि, राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 2000 में चीन को विश्व व्यापार संगठन में एक आसान प्रवेश दिया था, लेकिन राष्ट्रपति बुश

ने इस संदर्भ में सख्त होने का फैसला किया था।

उस समय के आसपास के दो घटनाक्रमों ने भी भारत के बारे में सकारात्मक में योगदान दिया था। पहला, जिस तरह से भारत ने कश्मीर में कारगिल के पास और दूसरा, सितंबर 2001 में अमेरिका पर हमला करने वाले आतंकवादियों के पाकिस्तानी कनेक्शन का जवाब दिया था, विदित हो कि 2005 में राष्ट्रपति बुश ने भारत में पाँच दिन और पाकिस्तान में पाँच घंटे बिताए थे।

अब हाल की घटनाओं पर विचार करते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कई महीनों तक हर एक दिन आतंकवाद और पाकिस्तान प्राइम टाइम की खबरें बनी हुई थीं। नवंबर 2008 में जब पाकिस्तान द्वारा भारत पर आखिरी बड़ा आतंकी हमला हुआ था, तब उरी और पठानकोट की सीमा पर हुए हमले निरंतर राजनीतिक अभियान के केंद्र बिंदु बन गए थे। आतंकवादी हमलों के कम होने पर भी खबरों में आतंकवाद बनाए रखना, पाकिस्तान के साथ अलगाव और विवाद को बढ़ावा देता है। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू और कश्मीर की स्थिति को बदलने का निर्णय इसी खेल का एक हिस्सा था।

यह अपने आप में कामयाब हो सकता था अगर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति बेहतर रहती, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। बड़े कदम उठाने के बावजूद निवेशक जोखिम से दूर रहना पसंद कर रहे हैं और उपभोक्ता मंदी का शिकार हो रहे हैं। व्यापक रूप से स्वागत किए गए राजकोषीय सुधार का सरकार के राजकोषीय स्थान को कम करने का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जो बुनियादी ढाँचे में भी निवेश को कम कर रहा है।

इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, एशियाई क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) वार्ता से पीछे हटने के प्रधानमंत्री के फैसले ने भी व्यापक प्रभाव डाला है। यहाँ सवाल उठता है कि अगर भारत खुद को 'राइज़िंग एशिया' की गाड़ी से हटा लेता है तो क्या इससे इसकी खुद की 'राइजिंग इंडिया' की रणनीति पटरी से नहीं उतर जाऐगी? आलम यह है कि अब न केवल भारत की विकास क्षमता और सरकार की राजकोषीय क्षमता, बल्कि कृषि, विनिर्माण और यहाँ तक कि सेवा क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

1991 से 2016 तक की एक चौथाई सदी में, भारत के उदय में सहायता के लिए अमेरिका एक रणनीतिक भागीदार के रूप में उभरा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में आने के बाद से तीन वर्षों में अमेरिका ने निश्चित रूप से बदलाव नहीं होने पर अपना रुख बदलने का संकेत दिया है। देखा जाए तो अमेरिका ने चीन के भू-आर्थिक नियंत्रण के लिए एक रणनीति शुरू की है, लेकिन अमेरिका ने भारत की व्यापार नीतियों पर से अपनी नज़र नहीं हटाई है और न ही इसने भारत की सभी सुरक्षा चिंताओं पर भारत को कोई आश्वासन दिया है। इस सब के ऊपर, वैश्विक आर्थिक विकास अभी तक भारत के लिए चिंता का सबब बना हुआ है।

इन सब घटनाक्रमों जैसे घरेलू आर्थिक प्रबंधन, हाल ही में देश में किए गए राजनीतिक और भू-राजनीतिक विकल्प का चयन, ट्रम्प और ट्रम्पवाद के क्षेत्रीय और वैश्विक परिणाम और चीन के उदय की भू-राजनीति, भारत की राइज़िंग इंडिया की कहानी को चुनौती देते हैं। इन सब का निपटारा केवल बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और घरेलू राजनीतिक चुनौतियों के बेहतर प्रबंधन की नींव पर ही किया जा सकता है। भारत की आर्थिक संभावनाओं और नीतियों के बारे में हालिया धारणाओं को बदलने, राजनीतिक विकल्प और भू-राजनीतिक विकल्पों की खोज करने पर पूर्ववर्ती विकास पथ पर वापसी की भविष्यवाणी की गई है।

GS World Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा कूट का प्रयोग कर सत्य कथन की पहचान कीजिए:-

1. सबीर भाटिया ने हॉट मेल डॉट कॉम का आविष्कार किया था।
2. Y2k वर्ष 2000 में शुरू होने वाली तारीखों के लिए कैलेंडर डेटा के स्वरूपण और भंडारण से संबंधित कम्प्यूटर बगों की एक श्रेणी को संदर्भित करता है।
3. सॉफ्टवेयर बग कम्प्यूटर के अपेक्षित तरीके से व्यवहार करने का कारण बनते हैं।

कूट:-

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **Consider the following statements and choose the incorrect statement using the code given below:-**

1. Sabir Bhatia invented hotmail.com.
2. Y2k refers to a range of computer bugs related to the formatting and storage of calendar data for dates beginning in the year 2000.
3. Software bugs are formed due to expected behaveing of the computer.

Code:-

(a) 1 and 2
(b) 2 and 3
(c) 1 and 3
(d) 1, 2 and 3

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: हाल के दिनों में ऐसे कौन से कारक रहे हैं जो राइजिंग इंडिया को चुनौती देते रहे हैं? इस दिशा में सकारात्मक प्रगति हेतु किस प्रकार की आर्थिक और घरेलू राजनीतिक नीतियों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की आवश्यकता है? (250 शब्द)

What are the factors that have been challenging Rising India in recent times? What kind of economic and domestic political policies need to be better managed for positive progress in this direction? (250 words)

नोट : 14 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।